भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

12.12.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1558 का उत्तर

तंजावुर-विल्लुपुरम खंड का दोहरीकरण

1558. श्री एस. कल्याणसुन्दरम:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे को तंजावुर-विल्लुपुरम के बीच रेलवे लाइन के दोहरीकरण की लंबे समय से लंबित मांग की जानकारी है;

(ख) यदि हाँ, तो परियोजना की अनुमानित लागत और उसकी वर्तमान स्थिति सहित ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि तंजावुर-मयिलादुथुराई के बीच दोहरीकरण का कार्य महामहम 2028 से पहले पूरा होने की संभावना है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए विल्लुपुरम - मयिलादुतुरै - तंजावूर (193 कि.मी.) के दोहरीकरण के लिए सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान की गई है। क्षेत्र में कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए, तंजावुर - नागपट्टिनम - कराईकल (96 कि.मी.) के दोहरीकरण के लिए भी सर्वेक्षण को स्वीकृति प्रदान की गई है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार होने के बाद, परियोजना को स्वीकृति देने के लिए राज्य सरकारों समेत विभिन्न हितधारकों से परामर्श करना और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय का मूल्यांकन आदि अपेक्षित होते हैं। चूंकि परियोजना को स्वीकृति देना एक निरंतर चलने वाली और सतत प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

तमिलनाडु

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में काफी वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाएं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए बजट आबंटन इस प्रकार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	6,626 करोड़ रुपए (7.5 गुना से अधिक)

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 22,808 करोड़ रुपए की लागत से कुल 1,700 किलोमीटर लंबाई की 15 परियोजनाएं (9 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 03 दोहरीकरण) स्वीकृत हैं। उनका सारांश निम्नलिखित है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	9	812	24	1,337
आमान परिवर्तन	3	748	604	3471
दोहरीकरण/बहुपथन	3	140	37	2783
कुल	**15**	**1,700**	**665**	**7,591**

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएं, जिन्हें हाल ही में पूरा किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1	दिंडुक्कल-पलानी-पोलाची आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610
2	पोलाची-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350
3	पोलाची-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	क्विलोन-तिरुनेलवेली-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1122
5	मयिलादुतुरई-थिरुवरुर-कराइक्कुडी आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1338
6	मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लुर-अराक्कोनम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	चेन्नई सेंट्रल-बेसिन ब्रिज दोहरीकरण (2 किलोमीटर)	31

10	तंजावूर-पोनमलाई दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370
11	विल्लुपुरम-दिंडुक्कल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2000
12	चेन्नई बीच-कोरुक्कुपेट तीसरी लाइन (5 किलोमीटर)	168
13	चेन्नई बीच-अट्टीपट्टू चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
14	ओमलुर-मेत्तूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
15	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम और तांबरम-चेंगलपट्टू - तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1122
16	सेलम-मैग्नेसाइट जंक्शन-ओमालुर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	115
17	मदुरै - मनियाची-तूतीकोरिन दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1891
18	मनियाची-नागरकोइल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1752
19	चेन्नई बीच- चेन्नई एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272
20	कारैक्काल - पेरलम नई लाइन (23 किलोमीटर)	373
21	कारैक्काल पोर्ट से उत्तरी छोर बंदरगाह तक सम्पर्कता (1 किलोमीटर)	18

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएँ, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**परियोजना**	**लागत (करोड़ रु. में)**
1	टिंडीवनम-नगरी नई लाइन (184 किलोमीटर)	3631
2	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	359
3	नागपट्टिनम - तिरुतुरईपुंडी नई लाइन (43 किलोमीटर)	742
4	तिरूवनंतपुरम - कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	3785
5	अराक्कोनम यार्ड तीसरी और चौथी लाइन (6 किलोमीटर)	98

पिछले तीन वर्षों अर्थात् 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल 2,493 कि.मी. लंबाई वाले 28 सर्वेक्षण (05 नई लाइन और 23 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,326 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1052 हेक्टेयर (24%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3274 हेक्टेयर (76%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ मुख्य परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	**परियोजना का नाम**	**कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)**	**अधिगृहीत की गई भूमि (हेक्टेयर में)**	**अधिग्रहण हेतु शेष भूमि (हेक्टेयर में)**
1.	तिंडीवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	276	33	243
2.	अत्तिपट्टू-पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	92	45	47
4.	मन्नारगुडी-पट्टुकोट्टई नई लाइन (41 किलोमीटर)	196	0	196
5.	तंजावूर-पट्टुकोट्टई नई लाइन (52 किलोमीटर)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम - धनुष्कोडि नई लाइन (18 कि.मी.) को 734 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया था। इस परियोजना का शिलान्यास 01.03.2019 को किया गया था। बहरहाल, परियोजना शुरू नहीं की गई है क्योंकि तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किया गया है।

भारत सरकार इस परियोजनाओं के निष्पादन के लिए तैयार है, तथापि इनकी सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- बाधक जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ
- क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

*****